ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

प्राण-प्रतिष्ठा कर गई, अधरों की मुस्कान

भीतर भीतर रम गया, क्या गृहस्थ क्या संत ।
न तो प्रेम का आदि है, न ही प्रेम का अंत ।।-1

मन -मंदिर में थी बसी, कोई मूर्ति महान ।
प्राण-प्रतिष्ठा कर गई, अधरों की मुस्कान ।।-2

सच ही कहा कबीर ने, वही सिद्ध विद्वान ।
'ढाई आखर ' प्रेम का, जिसे हो गया ज्ञान ।।-3

प्रेम सृजन का सत्य है, प्रेम जगत आधार ।
प्रेम चाह का मेघ है, प्रेम सुखद बौछार ।।-4

बूंद बूंद एकत्र कर, देती आई नीर ।
सरिता ही लिखती रही, सागर की तकदीर ।।-5

दर्पण के आगे खड़ी, वह थी भाव -विभोर ।
दृष्टि अचानक झुक गई, पीछे था चितचोर ।।-6

हर्ष मिले या शोक हों, दोनों हों स्वीकार ।
प्रेम एक आवास है, विरह - मिलन दो द्वार ।।-7

सपनों के आकाश से , नयनों की छत फांद ।
अंजुरी में ले चांदनी, उतरा मन में चांद ।।-8

तेरी हाथों की लगे, मधुर प्रेम की खीर ।
राधा, मीरा, रुक्मणी, तुझ में हर तस्वीर ।।-9

खिली कुमुदिनी प्यार की, जैसे खिला जहान ।
नयनों में मोती दिखे, अधरों पर मुस्कान ।।-10

पुरवा देतीं दस्तकें, पछुआ करें अधीर ।
किस निष्ठुर ने फाड़ दी, जोड़े की तस्वीर ।।-11

प्रेम चाहिए इस तरह, जीवन में भरपूर ।
साथ रहे ज्यों अंत तक, मांग और सिंदूर ।।-12

हरीलाल 'मिलन '
पिता : स्व. राम दुलारे शर्मा
माता. : स्व.राजकली देवी
पत्नी : स्व . दुर्गावती शर्मा
जन्म तिथि : 8 जुलाई 1954
संप्रति : श्रम प्रवर्तन अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त

प्रकाशित कृतियां : -
खंड काव्य 'परित्यक्ता ' (1995) **गजल संग्रह 'वक्त रो रहा है '** (2003) **गजल संग्रह में 'ये आंसू '** (2009 एवं 2016), **उपन्यास '' म्रिया '** (2012) **गीतकृति अंधेरे भी उजाले भी** (2015) **गीतकृति ' नमन भारत भारती '** (2017) **कहानी संग्रह 'आखिरी झूठ '** (2018) **कविता सग्रह 'कागज कलम कविता '** (2019) **दोहा संग्रह 'दर्पण समय का '** (2020) **समीक्षा / समालोचना 'मेरी परख '** (2021) **महाकाव्य 'सांची कहे कबीर '** (2022)

पुरस्कार /सम्मान एवं अलंकरण

★**'साहित्य भूषण ' द्वारा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान** ★ **'कबीर नामित पुरस्कार ' द्वारा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान**
★**'सुब्रहमण्यम भारती पुरस्कार ' उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान,लखनऊ से रुपए एक लाख** ★ **साहित्यिक संस्था 'राष्ट्रीय परिवार मिलन ' कोलकाता से रुपए** 51000 ।
के अलावा देश की तमाम साहित्यिक संस्थाओं द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित ।
★ **देश के कई विश्वविद्यालयों द्वारा हरीलाल मिलन के साहित्य पर मूल्यांकन एवं शोध ।**

वर्तमान पता : 300/2 प्लाट 16**बी दुर्गावती सदन,हनुमंतनगर, मछरिया रोड नौबस्ता**
कानपुर - 208021
मोबाइल नंबर - 99 35 2999 39